



प्रीलिमिंस फैक्ट्स: 25 मार्च, 2019

वर्चुअल समि कार्ड

पुलवामा हमले की जाँच के दौरान जाँच एजेंसियों ने पाया है कि जैश-ए-मुहम्मद के आतंकवादियों द्वारा हमले में वर्चुअल समि कार्ड (Subscriber Identification Module Cards) का इस्तेमाल किया गया था।

वर्चुअल समि क्या है?

- इस तकनीक में कंप्यूटर द्वारा एक टेलीफोन नंबर उत्पन्न किया जाता है और उपयोगकर्ता अपने स्मार्टफोन पर सेवा प्रदाता का एक एप्लीकेशन डाउनलोड करता है।
- यह एक क्लाउड-आधारित (उपयोगकर्ता की सक्रियता के बगैर इंटरनेट पर इस्तेमाल की जाने वाली सेवाएँ, खास तौर से डेटा स्टोरेज) नंबर है जिसका उपयोग किसी भी उपकरण से एप के माध्यम से किया जा सकता है।
- इस वर्चुअल फोन नंबर के माध्यम से होने वाली सभी वॉयस कॉल और एसएमएस मोबाइल में उपलब्ध मोबाइल डेटा/वाई-फाई कनेक्शन की सहायता से वर्चुअल समि (Virtual Sim) सेवा प्रदाता के नेटवर्क पर स्थानांतरित किये जाते हैं।

CBSE शिक्षा वाणी

हाल ही में **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड** (Central Board of Secondary Education-CBSE) ने सभी हतिधारकों को समान रूप से सूचना प्रसारित करने के लिये 'CBSE शिक्षा वाणी' नाम से एक नया एंड्रॉइड एप लॉन्च किया है।

- इस एप पर बोर्ड ने 2019 की बोर्ड परीक्षा की कॉपियों की जाँच के लिये दशिया-नरिदेश भी अपलोड किये हैं। गौरतलब है कि CBSE समय-समय पर महत्त्वपूर्ण सूचनाओं की घोषणा करता रहता है, जनिहें हतिधारकों तक पहुँचाने की ज़रूरत होती है।
- इस एप के माध्यम से CBSE को बेहतर तरीके से ऐसा करने में मदद मिलेगी।
- इस एप में सूचना का आकलन संबंधित व्यक्तियों द्वारा ही किया जा सकता है तथा इसमें बोर्ड परीक्षा के परिणाम की तैयारी के बारे में भी जानकारी दी गई है।

वशिव कषय रोग दविस

24 मार्च को दुनियाभर में **वशिव कषय रोग दविस** का आयोजन किया गया। कषय रोग को तपेदिक के नाम से भी जाना जाता है।

- इस वर्ष वशिव कषय रोग दविस की थीम '**It's Time (यही समय है)**' रखी गई है।
- इस भावना के अनुरूप भारत ने वैश्विक लक्ष्य से पाँच वर्ष पूर्व ही अर्थात् 2025 तक कषय रोग के उन्मूलन के लिये प्रतबिद्धता जताई है।
- Revised National TB Control Program (RNTCP) के तहत कषय रोग के नयितरण और उन्मूलन के लिये '**कषय रोग 2017-2025 राष्ट्रीय रणनीतिक योजना**' चलाई जा रही है। यह दविस कषय रोग से संबंधित समस्याओं और समाधान के बारे में लोगों को जागरूक करने और वशिवभर में इसके नयितरण के प्रयासों का समर्थन करने के लिये मनाया जाता है।
- गौरतलब है कि 1882 में कषय रोग (TB) के जीवाणु की खोज करने वाले डॉ. रॉबर्ट कोच की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 24 मार्च को वशिव कषय रोग दविस मनाया जाता है।